Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Lecture on 'From Invention to Innovation'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13-03-2022**

कार्यक्रम

हकेंविवि में 'आविष्कार से नवाचार' तक कार्यक्रम का किया आयोजन

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार, रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। देश में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम आविष्कार से नवाचार तक में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कुलपति ने कहा कि देश ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था वहीं उस मुश्किल समय में देश ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया।

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार देश में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय का इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मारुति, डॉ. रमन, डॉ. मीनू ठाकुर, सुनील अग्रवाल, प्रदीप चैहान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 13-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्त्व : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्त्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। ये विचार हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इन्कयूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए।

इस अवसर पर कुवि के नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मारुति, डॉ. रमन, डॉ. मीनू ठाकुर, सुनील अग्रवाल, प्रदीप चौहान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शैक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Adhikar News **Date: 14-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्त्व : टंकेश्वर कुमार

नारनौल, 12 मार्च (विजय कौशिक)। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्त्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहाँ आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से लाखों, करोड़ो लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता की बातों को सार्थक बताते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय का इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय में

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रवासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से करोड़ों लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विवि, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं विवि में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता की बातों को सार्थक बताया। इसके लिए विवि में व्याख्यान, शोध कार्यशालाएं, विज्ञान प्रदर्शनी एवं विषय विशेषज्ञ चर्चाओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थी और शोधार्थी ऐसी तकनीक विकसित करें जिससे देश में रोजगार के साधन विकसित हों और भारत आत्मनिर्भर बने।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ● सौ. हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-03-2022**

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्वः प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से लाखों-करोड़ों लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है।